सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सीने में दर्द और जलन का कारण हो सकता है 'प्लूरिसी रोग पेज: 7

मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं ..... पेज: 8

वर्ष : 03 | अंक : 94 | बुधवार 08 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली उच्च न्यायालय का बड़ा आदेश, कॉकरोच जनता पार्टी के अवरोधित एक्स अकाउंट पर से रोक हटी

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' का एक्स काउंट अनब्लॉक किया जाए। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच ने पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके की याचिका को मंजूरी दे दी। र्ट ने कहा कि केंद्र सरकार की मुख्य चिंता, जिसके कारण अकाउंट ब्लॉक किया गया था, अब प्रासंगिक नहीं रही क्योंकि नीट परीक्षा पहले ही पूरी हो चुकी है। 'लाइव लॉ' की रिपोर्ट के अनुसार, इसी आधार पर याचिका को मंजूरी दी गई। सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पार्टी का एक्स अकाउंट ब्लॉक करने के पीछे मुख्य चिंता यह थी कि इसकी पोस्ट से नीट परीक्षा के दौरान छात्रों और अभिभावकों के बीच अफरातफरी मच सकती थी। इस दलील पर ध्यान देते हुए कोर्ट ने कहा कि चूंकि परीक्षा अब खत्म हो चुकी है, इसलिए केंद्र द्वारा बताई गई

इंडोनेशिया की संसद में गूंजे रामायण-महाभारत, पीएम मोदी बोले- यही हमारे संबंधों का आधार है

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जकार्ता की अपनी यात्रा के दूसरे दिन इंडोनेशिया की संसद को संबोधित किया। यह संबोधन उन्हें राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो द्वारा इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतंग आदिपूर्णा' से सम्मानित किए जाने के बाद हुआ। संसद को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने भारत के प्रति गर्मजोशी, स्नेह और सम्मान के लिए इंडोनेशिया के लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने मिले सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ अपनी गहरी दोस्ती और मजबूत कामकाजी संबंधों की सराहना करते हुए भारत-इंडोनेशिया संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व

करते हुए और 'लोकतंत्र की जननी' के एक गर्वित नागरिक के तौर पर, मैं सभी भारतीयों की ओर से आपको शुभकामनाएं देता हूं... आज सुबह इंडोनेशिया के लोगों ने जो प्यार और गर्मजोशी भरा स्वागत किया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मुझे इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने का सौभाग्य भी मिला। मैं विनम्र और आभारी हृदय से अनगिनत भारतीयों के प्रति इंडोनेशियाई लोगों के स्नेह को स्वीकार करता हूं। भारत का विजन विस्तार नहीं, बल्कि विकास है प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया की संसद में कहा कि भारत का वैश्विक नजरिया क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के बजाय समावेशी विकास पर आधारित है। उन्होंने "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा कि यह सोच सहयोग और सामूहिक भागीदारी के जरिए तरक्की के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। मोदी ने कहा कि इंडोनेशियाई सांसदों

इंडोनेशिया के लोगों ने जो प्यार.....

140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हुए और 'लोकतंत्र की जननी' के एक गर्वित नागरिक के तौर पर, मैं सभी भारतीयों की ओर से आपको शुभकामनाएं देता हूं... आज सुबह इंडोनेशिया के लोगों ने जो प्यार.....

को संबोधित करते हुए वे साझेदारी और सामूहिक विकास का यही संदेश लेकर आए हैं। समुद्र भारत और इंडोनेशिया को जोड़ता है, अलग नहीं करता दोनों देशों के बीच भौगोलिक निकटता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भले ही उनकी राजधानियाँ हजारों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन उनके बीच का समुद्री फासला सिर्फ 150 किलोमीटर के आसपास है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में समुद्र ने जहाँ दूरियाँ पैदा की हैं, वहीं इसने भारत और इंडोनेशिया को हमेशा जोड़े रखा है। प्रधानमंत्री के अनुसार, दोनों देशों के बीच का समुद्री इलाका एक प्राकृतिक कड़ी है जो उनके साझा भविष्य को आकार दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और इंडोनेशिया के बीच सदियों पुराने रिश्तों पर जोर देते हुए कहा कि यहाँ तक कि उनके नाम भी हिंद महासागर के साथ गहरे ऐतिहासिक जुड़ाव को दशार्ते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पीढ़ियों से दोनों देशों के बंदरगाह व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सभ्यताओं के मेल-जोल के केंद्र रहे हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र को व्यापक दुनिया से जोड़ने में मदद की है। मजबूत रणनीतिक साझेदारी का आह्वान इस साझा विरासत को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया से आग्रह किया कि वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करे। विशाल हिंद महासागर से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपनी समुद्री साझेदारी की अपार संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए और सहयोग, कनेक्टिविटी तथा क्षेत्रीय समृद्धि के नए रास्ते बनाते हुए अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहिए।

छोटी मछली पकड़ाई लेकिन मगरमच्छ नहीं, राम मंदिर चंदा चोरी पर बोले दिग्विजय सिंह, आखिरी सांस तक लड़ूंगा

नई दिल्ली एजेंसी: राम मंदिर चंदा घोटाले के मामले पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में सनातन धर्म में भगवान राम का बहुत महत्व है; वे हमारे लिए आदर्श हैं। मैं भगवान राम का भक्त हूँ; मेरा परिवार लंबे समय से भगवान राघवजी के राघोगढ़ मंदिर से जुड़ा रहा है। हमने शिला पूजन के लिए आयोजित रथ यात्रा में भी योगदान दिया था। हालाँकि मैं कांग्रेस का सदस्य हूँ, लेकिन मैं राम जी का भक्त हूँ... हमें खुशी है कि गोरखनाथ मठ के प्रमुख–जिन्होंने निमोर्ही अखाड़े के साथ मिलकर एक सदी से भी ज्यादा समय तक राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई लड़ी–अब वहाँ के मुख्यमंत्री हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए कौन

ज़िम्मेदार था? नृपेंद्र मिश्र जी। और नृपेंद्र मिश्र जी कौन हैं? वे प्रधानमंत्री के सबसे भरोसेमंद प्रधान सचिव थे। उन्होंने खुद भारी लूट और डकैती की बात कही है; अब यह बात सामने आ रही है कि निर्माण कार्य पर 40% कमीशन लिया जा रहा था। यहाँ तक कि पत्थर सप्लाई करने वाले ने भी कहा है कि वह पत्थर मुफ़्त में देना चाहता था, लेकिन उससे कहा गया, हम उन्हें मुफ़्त में नहीं लेंगे; हम आपको बिल जारी करेंगे। 2,100 करोड़ रुपये। अब आप ही बताइए, क्या इसमें नृपेंद्र मिश्र जी भी शामिल हैं? जब तक यह मामला सामने नहीं आया, तब तक आप चुप क्यों रहे? इसकी ज़िम्मेदारी आप पर भी है। मैं मोदी जी से कह रहा हूँ कि ये लोग आपके प्रति लोगों के मन में जो सम्मान था, उसे खत्म कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि मुझे सबसे ज्यादा हैरानी तब हुई जब कोषाध्यक्ष महंत गोविंद गिरि ने दावा किया कि उन्हें चेक पर साइन करने का अधिकार भी नहीं था–और उन्हें बैठकों में बुलाया भी नहीं जाता था। मैं कोषाध्यक्ष से पूछना चाहता हूँ: क्या ट्रस्ट की बैठकों में बजट पर चर्चा नहीं हुई? क्या बैलेंस शीट पेश नहीं की गई? क्या आपके ऑडिटर ने भी आपको बैलेंस शीट नहीं दिखाई? यह सवाल भी उठता है। असल बात यह है कि सिर्फ. छोटी मछलियाँ पकड़ी गई हैं, जबकि मगरमच्छों को छोड़ दिया गया है। मुझे बहुत दुख है। मैंने हमेशा आस्था का सम्मान किया है और कभी भी उससे समझौता नहीं करूँगा। इसीलिए मैं अपनी आखिरी साँस तक यह लड़ाई लड़ूँगा। इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है

शरद पवार का अगला सियासी दांव क्या? पार्टी बचाने की मजबूरी या एनडीए के साथ जाने की तैयारी?

मुंबई एजेंसी: महाराष्ट्र में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (एसपी) के भविष्य को लेकर नई अटकलों के बीच राजनीतिक हलचल फिर से तेज हो गई है। कांग्रेस के साथ पार्टी के प्रस्तावित विलय को समर्थन न मिलने की खबरों के बाद, अब राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि पार्टी एनडीए के साथ गठबंधन पर विचार कर सकती है। हालांकि एनसीपी (एसपी) ने ऐसे सभी दावों का पुरजोर खंडन किया है, लेकिन ये अटकलें ऐसे समय में सामने आई हैं जब विपक्षी गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' (एमवीए) को बढ़ती अंदरूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, एनसीपी (एसपी) ने कांग्रेस के सामने दो बार विलय का प्रस्ताव रखा

था। गौरतलब है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले भी कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के विलय की संभावना पर चर्चा हुई थी, लेकिन चुनाव प्रचार के कारण इसे रोक दिया गया था। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से इस प्रस्ताव पर चर्चा करने को कहा था। बाद में कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी महाराष्ट्र इकाई से राय मांगी, जहां ज्यादातर राज्य नेताओं ने कथित तौर पर इस कदम का विरोध किया। नतीजतन, अब माना जा रहा है कि विलय के प्रस्ताव की गति धीमी पड़ गई है। यह झटका ऐसे समय में लगा है जब एमवीए पहले से ही अपनी एकता को लेकर सवालों के घेरे में है। हाल के महीनों में इस गठबंधन को कई राजनीतिक झटके लगे हैं, जिनमें शिवसेना (यूटीबी) में हुई बगावत भी शामिल है, जहाँ छह सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। मुंबई में हाल ही में हुई एमवीए की बैठक में, शिवसेना (यूटीबी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गठबंधन की एकता पर खुलकर सवाल उठाए और पूछा, "हम कहते हैं कि हम साथ हैं, लेकिन क्या हम सच में साथ हैं? इन हालात को देखते हुए, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एनसीपी (एसपी) और झटकों से बचने और अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार कर सकती है, हालाँकि ऐसी किसी भी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। खबरों के मुताबिक, विलय की बातचीत रुकने के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं

वायनाड भूस्खलन में मौत का आंकड़ा 4, प्रियंका गांधी ने की मदद की अपील

नई दिल्ली एजेंसी: केरल में अनाक्कम्पोयिल-कल्लाडी टनल रोड प्रोजेक्ट के वायनाड वाले हिस्से में हुए जबरदस्त भूस्खलन में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर चार हो गई। वहीं, कई एजेंसियों की मदद से बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी है ताकि उन चार लोगों का पता लगाया जा सके जो अभी भी टन भर मिट्टी और मलबे के नीचे दबे हुए हैं। दस घायल लोगों का इलाज दो अस्पतालों में चल रहा है, जबकि बचाव दल मलबे में फंसे लोगों तक पहुँचने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। इस भारी भूस्खलन में एक चर्च और पास का एक घर भी बह गया। अच्छी बात यह है कि घर पर ताला लगा था क्योंकि घर के लोग मक्का की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे, और घटना के समय चर्च के अंदर भी कोई नहीं था। प्रभावित इलाकों को जोड़ने वाला एक पुल मलबे के नीचे दब गया है, जिससे बचाव कार्यों में भारी रुकावट आ रही है। कीचड़ हटाने और बचाव

दलों के लिए रास्ता बनाने का काम दो एक्सकेवेटर लगातार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने की हर संभव कोशिश की जा रही है और राज्य का प्रशासन आपस में मिलकर काम कर रहा है। एक बयान में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन खुद बचाव कार्यों पर नजर रख रहे हैं, जबकि पुलिस, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स और सिविल डिफेंस के वॉलंटियर्स की टीमें पहले ही मौके पर तैनात कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि ज़िला प्रशासन, मंत्री टी. सिद्दीक और ए.पी. अनिल कुमार (जो तिरुवनंतपुरम से आ रहे थे), पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी और सभी संबंधित एजेंसियां राहत कार्यों में तालमेल बिठा रही हैं। इस त्रासदी पर दुख जताते हुए प्रियंका गांधी ने जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और मुश्किल समय में उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि हमारी प्रार्थनाएं और उम्मीदें उन लोगों के साथ हैं जो अभी भी लापता हैं। जब तक बचाव दल उन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं

योगी आदित्यनाथ का कांग्रेस-सपा पर बड़ा वार, बोले- राम भक्तों पर गोली चलाने वाले आस्था की बात न करें

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राम मंदिर के लिए मिले दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि वक्फ संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जे के मामले पर विपक्ष क्यों चुप रहा। प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे दूसरे मुद्दों को नजरअंदाज करते हुए चुनिंदा तौर पर हिंदू धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ. दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं। कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी–जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आँसू बहाए थे–वे कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक है–वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए तय फंड को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे? वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं?... यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फँसेगा। राम मंदिर से जुड़े दान और वित्तीय प्रबंधन के आरोपों को लेकर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि उस जमीन का क्या हुआ

दिल्ली में हरियाली का महाअभियान: सीएम रेखा गुप्ता और अमित शाह ने 70 लाख पेड़ लगाने की रखी नींव

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली के आरके पुरम इलाके में पेड़ लगाने का अभियान शुरू किया। इस अभियान का मकसद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 70 लाख पेड़ लगाना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम 'इको रेस्टोरेशन मेगा प्लांटेशन ड्राइव 2026' शुरू कर रहे हैं। यह अभियान हमारी प्रकृति को सम्मान वापस दिलाने और हरियाली को फिर से बहाल करने के लिए है, खासकर उन जगहों पर जहां हरियाली को फिर से जीवित करने की जरूरत है। हमारी संस्कृति नदियों को माँ मानती है। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि पर्यावरण का सम्मान किया जाना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इस अभियान के दौरान घोषणा की कि हमारे लिए खुशी की बात है कि दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का अभियान आज शुरू हो गया है। 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के तहत शुरू

किए गए इस अभियान में सहयोग के लिए अमित शाह का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच का यह तालमेल साबित करता है कि अगर दोनों मिलकर काम करें, तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों से भी निपटा जा सकता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्यावरण को बचाने का अभियान है। मैं अमित शाह जी का धन्यवाद करना चाहता हूं, आपने हमेशा दिल्ली को प्राथमिकता दी है। आपके मार्गदर्शन से हमें यह भरोसा मिलता है कि जब केंद्र और राज्य मिलकर काम करते हैं, तो बड़ी-बड़ी चुनौतियों का भी सामना किया जा सकता है।

इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री और अमित शाह ने सेंट्रल रिज इलाके में पौधे लगाए। इसी इलाके में राष्ट्रपति के अंगरक्षक (राष्ट्रपति के अंगरक्षक) तैनात रहते हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, कमलजीत सहरावत, प्रवीण खंडेलवाल के साथ-साथ दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और कपिल मिश्रा भी मौजूद हैं। केंद्रीय मंत्री शाह कई विकास कार्यों का उद्घाटन भी करेंगे।

ऑपरेशन शेरूवाली के तहत राजौरी के जंगलों में आतंकियों की घेराबंदी! शोपियां में भी मुठभेड़, कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाना ध्वस्त

नई दिल्ली एजेंसी: जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चल रही जंग अब केवल मुठभेड़ों और त्वरित अभियानों तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक लंबी, थकाऊ और धैर्य की परीक्षा लेने वाली लड़ाई में बदल चुकी है, जहां सुरक्षा बलों को हर कदम सोच समझकर रखना पड़ रहा है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां से लेकर कुपवाड़ा और राजौरी पुंछ के घने जंगलों तक फैला मौजूदा सुरक्षा अभियान इस बदलती रणनीति और नए खतरे की साफ तस्वीर पेश कर रहा है। हम आपको बता दें कि शोपियां जिले के मीमांदर इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकियों की तलाश चौथे दिन भी जारी है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीमें इलाके में लगातार दबाव बनाए हुए हैं। तीन जुलाई को पहली बार इन आतंकियों की गतिविधियां निगरानी कैमरों में कैद हुई थीं, जिसके बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया। घने बागों और पेड़ों से ढके इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने गांव दर गांव तलाशी अभियान चलाया है। घेराबंदी में फंसे आतंकियों की पहचान लतीफ और जाकिर के रूप में हुई है। दोनों दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार जाकिर वर्ष

2024 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है, जबकि लतीफ पिछले वर्ष संगठन में शामिल हुआ था। जब सुरक्षा बल उनके करीब पहुंचे तो आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों ओर से मुठभेड़ हुई। सेना की विशेष आतंकवाद विरोधी इकाई विक्टर फोर्स ने इलाके में अतिरिक्त जवान तैनात किए हैं। रात के समय आतंकियों के भागने की आशंका को देखते हुए पूरे क्षेत्र में रोशनी की व्यवस्था भी की गई है। लेकिन गर्मियों के मौसम में घने पेड़, झाड़ियां और पत्तियां आतंकियों को प्राकृतिक सुरक्षा कवच दे रही हैं।

हम आपको बता दें कि शोपियां जिले के मीमांदर इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकियों की तलाश चौथे दिन भी जारी है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीमें इलाके में लगातार दबाव बनाए हुए

यही वजह है कि छोटे आतंकी समूह भी सुरक्षा बलों को कई दिनों तक उलझाए रखने में सफल हो रहे हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी बड़े आतंकी नेटवर्क और खुली घुसपैठ इस संघर्ष की पहचान हुआ करती थी, लेकिन अब छोटे, बिखरे और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों से परिचित आतंकी समूह सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। शोपियां अभियान इसी नई रणनीति का हिस्सा दिखता है, जहां स्थानीय आतंकी न केवल सुरक्षा घेरे से बचने की कोशिश कर रहे हैं बल्कि भर्ती और मददगार नेटवर्क को भी जीवित रखने का प्रयास कर रहे हैं। इसी बीच, उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सेना ने एक बड़े आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ कर आतंकियों की साजिश को करारा झटका दिया है। केरन सेक्टर में विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने एके श्रृंखला की पांच राइफल, नौ मैगजीन, एक हथगोला और भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया। यह बरामदगी इस बात का संकेत भी है कि सीमा पार से आतंकी ढांचे को सक्रिय रखने की कोशिशें लगातार जारी हैं। लेकिन जम्मू क्षेत्र के राजौरी पुंछ बेल्ट में चल रहा "ऑपरेशन शेरुवाली" इस पूरे संघर्ष का सबसे बड़ा और सबसे गंभीर चेहरा बनकर उभरा है। यह अभियान अब चालीस से ज्यादा दिन पार कर चुका है।

संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा- संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत, स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं।

एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है।

दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुठाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएँ जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है।

इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएँ न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है–लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना।

यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएँ और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है–धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है।

आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग–ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मयार्दाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मयार्दाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहीं धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवादपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते।

हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मयार्दा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। यदि धर्म की पवित्रता सुरक्षित रहेगी, तो समाज का विश्वास भी अडिग रहेगा।

भगवान महावीर का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा वैभव संग्रह में नहीं, त्याग में है; अधिकार में नहीं, उत्तरदायित्व में है; और बाहरी संपत्ति में नहीं, अंतःकरण की निर्मलता में है। यही संदेश आज प्रत्येक धार्मिक संस्था, प्रत्येक पदाधिकारी और प्रत्येक श्रद्धालु के लिए समान रूप से प्रासंगिक है।

आइए, संकल्प लें कि धर्म को कभी स्वार्थ का साधन नहीं बनने देंगे। मंदिर, स्थानक और तीर्थ केवल भवन नहीं, हमारी आत्मा के प्रतीक हैं। उनकी पवित्रता, पारदर्शिता और मयार्दा की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और धार्मिक कर्तव्य है। जब धर्म शुद्ध रहेगा, तभी समाज सुदृढ़ रहेगा; और जब आस्था सुरक्षित रहेगी, तभी संस्कृति अमर रहेगी।

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई, सतलुज के जरिये पुराने जख्मों को कुरेदना गलत है

नीरज कुमार दुबे

पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है।

हम आपको बता दें कि यह फिल्म पहले घल्लूघारा नाम से शुरू हुई थी। बाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों के बाद इसका नाम पंजाब-95 रखा गया और अंततः इसे सतलुज नाम से प्रदर्शित किया गया। फिल्म की विषयवस्तु पंजाब पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान और उस दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से लेकर 1994 के बीच हजारों अज्ञात शवों के कथित अंतिम संस्कार के मामलों की जांच की थी। बाद में उनका खुद का अपहरण हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। अदालत ने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मियों को दोषी भी ठहराया था।

देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं।

ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई। आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पंजाब कोई सामान्य राज्य नहीं, बल्कि देश का सीमावर्ती और अत्यंत संवेदनशील प्रदेश है। यहां के सामाजिक और धार्मिक तानेबाने को बिगाड़ने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं और आज भी दुश्मन ताकतें मौके की तलाश में रहती हैं। ऐसे में पुराने घावों को इस प्रकार कुरेदना, जिससे समाज में नई वैमनस्यता पैदा हो, बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि किसी भी संवेदनशील विषय को बिना व्यापक सामाजिक परिणामों पर विचार किए प्रस्तुत कर दिया जाए।

फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निमार्ताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। जब मामला इतना संवेदनशील हो, तब जिम्मेदार कलाकारों को समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने का संदेश देना चाहिए, न कि विवाद को और भड़काने वाला व्यवहार करना चाहिए। यह सही है कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर चर्चा होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। लेकिन किसी भी चर्चा का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि सीख देना होना चाहिए। पंजाब ने बहुत खून बहते देखा है। वहां की नई पीढ़ी शांति, विकास और भाईचारे के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की ऐसी प्रस्तुति, जिससे अलगाववादी मानसिकता को बल मिले या सुरक्षा बलों के मनोबल पर आघात पहुंचे, उसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। बहरहाल, सरकार का निर्णय इसी व्यापक राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ऊपर राष्ट्र की एकता, सामाजिक सद्भाव और सीमावर्ती राज्यों की स्थिरता है। पंजाब ने कठिन संघर्ष के बाद शांति हासिल की है।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

अमरोहा पुलिस के 06 पुलिसकर्मियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, दिया मानवता का संदेश

अमरोहा (सब का सपना):- मानवता की सेवा का उदाहरण पेश करते हुए अमरोहा पुलिस के 06 पुलिसकर्मियों ने मंगलवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। चिकित्सालय में आयोजित इस शिविर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जरूरतमंद मरीजों के लिए योगदान देते हुए कुल 06 पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से मुख्य आरक्षी अनुज कुमार - परिवहन शाखा, आरक्षी जतिन खाटियान - जीडी, पुलिस लाइन, आरक्षी गौरव कुमार - जीडी, पुलिस लाइन, आरक्षी गुरमीत सिंह - अभियोजन कार्यालय, आरक्षी चेतन सोनी - अभियोजन कार्यालय, आरक्षी अनिल कुमार - अभियोजन कार्यालय मौजूद रहे। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले सभी पुलिसकर्मियों के सराहनीय एवं मानवीय कार्य की प्रशंसा की गई। साथ ही आमजन से भी अपील की गई कि वे समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा में सहयोग करें।

अमरोहा पुलिस कार्यालय सभागार में मिशन शक्ति की समीक्षा गोष्ठी आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की अध्यक्षता में आज पुलिस कार्यालय सभागार में समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में जनपद के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति केन्द्र की टीमों के प्रभारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने टीमों को निर्देशित किया कि विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबरों एवं सुरक्षा संबंधी उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने सभी टीमों को आपसी समन्वय स्थापित कर संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

जोया में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान, पुल के नीचे लगाए गए पोलार्ड और चैन

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर पंचायत जोया की टीम द्वारा जोया पुल के नीचे दिल्ली व मुरादाबाद मार्ग पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए यातायात बाधित करने वाले स्थानों पर पोलार्ड एवं चैन लगाई गई। इस दौरान नगर पंचायत के ईओ विपिन कुमार सेंगर अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। उनके साथ यातायात निरीक्षक राजेंद्र सिंह एवं यातायात कर्मचारियों ने ट्रैक्टर-ट्राली, जेसीबी आदि की सहायता से अतिक्रमण हटवाया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कई दुकानदारों का सामान जप्त किया गया। साथ ही ठेला-पटरी लगाने वालों पर भारी जुमार्ना भी लगाया गया। नगर पंचायत प्रशासन ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए इस प्रकार का अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष ने की गौ आश्रय स्थलों की समीक्षा, दिए सख्त निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जनपद के गौ आश्रय स्थलों एवं गौवंश संरक्षण कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने उन्हें पौधा भेंट कर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और मानवता की पहचान है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निराश्रित गौवंश के संरक्षण एवं भरण-पोषण के लिए पूरी संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से गौशालाओं से गौवंश लेकर पालन-पोषण करने तथा उन्हें निराश्रित न छोड़ने का आह्वान किया। समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि सभी नोडल अधिकारी नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण करें। कमियां मिलने पर तत्काल निराकरण करें। प्रत्येक गौशाला में स्वच्छ पेयजल, हरा चारा, भूसा, पशु आहार एवं पशु चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए। बीमार गौवंश को अलग रखने की व्यवस्था हो। सभी गौ आश्रय स्थलों पर भूसा भंडारण, क्रय-विक्रय, दान का लेखा-जोखा सुव्यवस्थित रखें। सीसीटीवी से 24७7 निगरानी की जाए। सभी चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर नेपियर घास की बुवाई कराई जाए। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना का व्यापक प्रचार कर अधिक से अधिक लोगों को गौवंश पालन के लिए प्रेरित किया जाए। लाभार्थियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को गौशालाओं के संचालन एवं रखरखाव से जोड़ा जाए। उपाध्यक्ष ने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारियों की नियमित बैठक कर उनकी जिम्मेदारियों की समीक्षा की जाए। निमार्णाधीन गौशालाओं की प्रगति तेज करने तथा पुलिस विभाग से वर्ष 2017 से अब तक गौ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई का विवरण उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का संकल्प है कि निराश्रित गौवंश की सेवा में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

कृषि एवं पशुपालन को सशक्त बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा आगामी 12 जुलाई को "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गौशाला में पौधरोपण कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी निदेर्शों का समयबद्ध अनुपालन का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गोसेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल, सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, डॉ. जगदीश प्रसाद, परियोजना निदेशक अंबरीश कुमार, सीएमओ डॉ. आभा दत्त सहित सभी बीडीओ एवं ईओ उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा ब्लॉक सभागार में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बैठक का आयोजन, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर रूपरेखा तैयार कर दिए दिशा-निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक सभागार में मंगलवार को आगामी स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति अभियानों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कराया गया। बैठक में आने वाले समय में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति आयोजित किए जाने वाले अभियानों की रूपरेखा तैयार की गई जिसके लिए बैठक में उपस्थित सभी कार्यकत्रियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बता दें कि बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, 11 जुलाई तक 'दस्तक अभियान' भी संचालित किया जाएगा। इस अभियान के तहत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां संयुक्त रूप से घर-घर जाकर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगी।बैठक में संचारी रोगों जैसे मलेरिया, डेंगू और दिमागी बुखार से बचाव के लिए साफ-सफाई और स्वच्छता के महत्व पर विशेष चर्चा हुई। कार्यकत्रियों को निर्देशित किया गया कि वे ग्रामीणों को अपने घरों के आसपास पानी इकट्ठा न होने देने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि जमा पानी में मच्छरों के पनपने की संभावना अधिक होती है।इस महत्वपूर्ण बैठक में मंडी धनौरा के सीडीपीओ केपी सिंह और सीएचसी मंडी धनौरा के एआरओ डॉक्टर अमित यादव उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी कार्यकत्रियों को पूरी निष्ठा के साथ अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक में कुसुमलता, पिंकी, उषा, सीमा, दुर्गेश, प्रियांशी, बेबी, पुष्पा, सुषमा, ममता, रवीता, अलका, लवी, नौशाबा, रेनू, सुधा, नीरज, गीता, सुनीता, कृष्णा, सुदर्शना, बबीता, सविता, कविता, सरिता, पूनम, सौभा, प्रतिभा और बबली सहित 165 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष ने की प्रेस वार्ता, गौवंश संरक्षण को बताया सामाजिक दायित्व

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न विषयों पर मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि परिवार, ग्राम और समाज की सुदृढ़ व्यवस्था ही समृद्धि का आधार है तथा किसानों की समृद्धि के बिना प्रदेश और देश का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे समाज में यह संदेश पहुंचाएं कि मानवता और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए गौशालाओं से गौवंश अपनाकर उनका पालन-पोषण करें तथा उन्हें निराश्रित न छोड़ें। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां निराश्रित गौवंश के भरण-पोषण के लिए प्रति गौवंश प्रतिदिन 50 रुपये की सहायता दी जा रही है। प्रदेश में 7,700 से अधिक गौ-आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 16 लाख से अधिक निराश्रित गौवंश का संरक्षण हो रहा है।पारदर्शिता के लिए 5,446 गौशालाओं में 7,592 सीसीटीवी कैमरे लगाकर 24७7 निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री निराश्रित गौवंश सहभागिता योजना के अंतर्गत अब तक 1,67,065 गौवंश इच्छुक गौपालकों को सौंपे जा चुके हैं। जिसकी सहायता राशि डीबीटी से सीधे खातों में भेजी जा रही है।उपाध्यक्ष ने बताया कि जनपद अमरोहा में वर्तमान में 26 गौ-आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 8,776 गौवंश का संरक्षण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 850 प्रगतिशील गौपालकों ने सहभागिता योजना के अंतर्गत 1,279 गौवंश को अपनाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उ०प्र० गोवध निवारण अधिनियम, 1955 के तहत जीरो टॉलरेंस नीति से काम कर रही है। गौ संरक्षण को लेकर किए जा रहे भ्रामक प्रचार का कोई आधार नहीं है। आयोग के पदाधिकारी नियमित निरीक्षण कर रहे हैं और अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार निराश्रित गौवंश की सेवा एवं संरक्षण में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

इस अवसर पर गोसेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल, अपर निदेशक (ग्रेड 2), पशुपाल विभाग, मुरादाबाद मंडल डॉ. जगदीश प्रसाद, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त, जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार उपस्थित रहे।

सीडीओ ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने शिव इंटर कॉलेज गजरौला पहुंचकर सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ समाज कल्याण अधिकारी, अमरोहा एवं गजरौला के बीडीओ तथा तीनों क्षेत्रीय कार्यकारी अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में 200 से अधिक पात्र जोड़ों के भाग लेने की संभावना है। मुख्य विकास अधिकारी ने तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा की। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए जर्मन हैंगर लगाए जा रहे हैं। बारिश की स्थिति में जोड़ों की उपस्थिति दर्ज करने और सामग्री वितरण की व्यवस्था कमरों के अंदर की जा रही है।सीडीओ ने सभी पात्र जोड़ों को निर्देश दिए कि वे 9:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर अनिवार्य रूप से पहुंच जाएं और बायोमेट्रिक हाजिरी पूरी करें। उन्होंने जोड़ों से अपने स्वजनों के साथ समय पर पहुंचने की अपील की। कार्यक्रम में मंगल गीत गाए जाने की भी व्यवस्था की गई है, जिससे माहौल और अधिक शुभ और उत्सवी हो। अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं ताकि जोड़ों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पात्र युवा जोड़ों को आर्थिक सहायता के साथ विवाह का अवसर प्रदान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया।

धनौरा में दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में तीन की मौत, एक गंभीर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई इस टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो जबकि एक 12 वर्षीय किशोर इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सोमवार की देर रात करीब 10:00 बजे के आसपास पेट्रोल पंप के सामने हुआ। हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर लगने की आवाज वहां मौजूद लोगों को दूर तक सुनाई दी। जिसको सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की दौड़ने लगे। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया उधर घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि धनौरा क्षेत्र में यह सड़क हादसा सोमवार की देर रात 10:00 बजे के आसपास हुआ। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने वहां मौजूद लोगों की मदद से सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।जबकि एक 12 वर्षीय गंभीर घायल किशोर को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया।इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मोहसिन अपने साढ़ू के बेटे फैजान के साथ बाइक से गजरौला से चांदपुर जा रहा था तभी पत्थर कुटी के पास सामने से आ रही एक तेज रफ़्तार दूसरी बाइक से उनकी सीधी टक्कर हो गई।इस हादसे में बाइक सवार कुनाल पुत्र सुभाष निवासी चुचैला कलां ,थाना मंडी धनौरा ,मोहसिन पुत्र बुंदू मंसूरी, निवासी चांदपुर जिला बिजनौर एवं लकी पुत्र सोनू, निवासी मोहल्ला शिवपुरी धनौरा की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा इस हादसे में बाइक पर सवार 12 वर्षीय फैजान गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद सभी को मौके पर पहुंची पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया जहां पर चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल फैजान को बेहतर उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया।हादसे की खबर मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से जानकारी लेकर मामले की जांच के निर्देश दिए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे ने पल भर में तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। रात तक जिन घरों में अपनों के लौटने का इंतजार था, वहां मौत की खबर पहुंचते ही कोहराम मच गया। अस्पताल में परिजनों की चीख-पुकार सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। सड़क पर बिखरे चप्पल, मोबाइल और बाइकों के परखच्चे हादसे की भयावहता बयां कर रहे थे। देर रात तक अस्पताल पर गमगीन ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी रही।

बछरायूं क्षेत्र में युवक जानलेवा हमला करने का मामला, घटना सीसीटीवी में कैद, जांच में जुटी पुलिस

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के थाना बछरायूं क्षेत्र में शादी समारोह से वापस लौट रहे एक युवक पर कुछ लोगों द्वारा जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। जिसकी पूरी वारदात घटनास्थल पर कहीं लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस वीडियो के आधार पर जांच पड़ताल में जुटी है। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी अनुसार यह घटना 4 जुलाई 2026 की बताई जा रही है।आरोप है कि कार सवार 7-8 युवकों ने बाइक पर जा रहे युवक को रोका और उसे नीचे उतारकर लाठी-डंडों से गंभीर रूप से पीटा। हमलावर युवक को सड़क किनारे खाई में छोड़कर फरार हो गए।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि, घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।पीड़ित ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिव्यांग सशक्तिकरण के लिए सक्षम का संकल्प, जल्द होंगे इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल वितरित

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समदृष्टि, क्षमताविकास एवं अनुसंधान मंडल के तत्वावधान में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत राष्ट्रीय संगठन सक्षम का स्थापना दिवस जिले में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सक्षम के ध्येय गीत के साथ किया गया। इसके बाद आयोजित बैठक में महिला प्रमुख प्रतिभा चौधरी ने संगठन की स्थापना, उद्देश्य तथा दिव्यांगजनों के कल्याण एवं क्षमता विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सक्षम संगठन वर्षों से दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। बैठक के दौरान संगठन द्वारा बीते वर्षों में जिले के दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराए गए कृत्रिम अंग, ट्राईसाइकिल तथा स्वरोजगार सहायता जैसे सेवा कार्यों की समीक्षा भी की गई। साथ ही भविष्य में इन सेवाओं को और व्यापक स्तर पर पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष मंतेश वार्ष्णेय ने अपने संबोधन में कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्हें दया या सहानुभूति की नहीं, बल्कि समान अवसर, सम्मान और क्षमता विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सक्षम संगठन इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिला सचिव अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि आने वाले समय में मुरादाबाद में संगठन द्वारा एक विशाल शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दिव्यांगजनों को स्वचालित (ऑटोमैटिक) इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल सहित विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों तक इस योजना का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में जिला पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सभी को मिठाई वितरित कर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मंतेश वार्ष्णेय, जिला सचिव अनुज वार्ष्णेय अन्नू, महिला प्रमुख प्रतिभा चौधरी, देवेंद्र मोनू, निशांत शर्मा, अतुल कश्यप, राहुल, आदित्य, शुभम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फोरलेन सड़क के मुआवजे को लेकर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति (अराजनैतिक) के बैनर तले मंगलवार को एनएच-509 से बनियाठेरझचन्दौसीझशाहाबाद फोरलेन सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा नहीं मिलने के विरोध में किसानों ने असालतपुर जारई स्थित हिंदुस्तान प्लेस पार्क के निकट अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरने में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित धरने का नेतृत्व राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दयाल शर्मा ने किया। किसानों का आरोप है कि फोरलेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की जा रही उनकी भूमि आबादी की श्रेणी में दर्ज होने के बावजूद प्रशासन द्वारा शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। इससे किसानों में भारी रोष है। धरने को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दयाल शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी केवल सरकार के निदेशों का पालन कर रहे हैं, जबकि किसानों के हितों की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि चन्दौसी से रामपुर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क के किनारे स्थित किसानों की भूमि का सरकारी आदेशों के अनुरूप मुआवजा नहीं दिया जा रहा, जिसके चलते किसानों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक किसानों को उनकी भूमि का नियमानुसार उचित मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक यह धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। धरने में जिला अध्यक्ष राहुल कश्यप, अमर सिंह तोमर, वीरेंद्र तोमर, रामपाल सिंह, उदयपाल सिंह, पप्पू तोमर, अवधेश तोमर, चीनू जैन, रिंकू, ओमवीर सिंह कठेरिया, दिनेश पाल सिंह, मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

नदियों के राजस्व अभिलेखों की होगी गहन जांच, लेखपालों को दिए गए अहम निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में राजस्व लेखपालों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की तीनों तहसीलों के उन राजस्व लेखपालों ने भाग लिया, जिनके कार्यक्षेत्र से विभिन्न नदियां प्रवाहित होती हैं। बैठक में जनपद की नदियों से संबंधित राजस्व अभिलेखों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित लेखपालों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र की नदियों के राजस्व अभिलेखों का 1359 फसली आधार वर्ष के अभिलेखों से सावधानीपूर्वक मिलान करें। यदि किसी भी अभिलेख में अंतर, परिवर्तन या विसंगति पाई जाती है तो उसका स्पष्ट विवरण तैयार करते हुए आवश्यक तथ्य एवं अभिलेख संकलित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अभिलेखों का परीक्षण पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ किया जाए। नदियों की वर्तमान स्थिति के अनुरूप सभी आवश्यक विवरण निर्धारित प्रारूप में समयबद्ध तरीके से जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराए जाएं, ताकि प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान राजस्व अभिलेखों के सही रख-रखाव, अद्यतन अभिलेखीकरण तथा नदियों से संबंधित अभिलेखीय विवरणों की शुद्धता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि नदियों के राजस्व रिकॉर्ड का सटीक संधारण जलस्त्रोतों के संरक्षण, अतिक्रमण की रोकथाम और भविष्य की प्रशासनिक कार्यवाहियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशासन की इस पहल को जनपद की नदियों के संरक्षण तथा उनके राजस्व अभिलेखों को व्यवस्थित और प्रमाणिक बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

केमिस्ट एसोसिएशन की बैठक में सामाजिक सरोकारों पर जोर, नए सदस्यों का स्वागत

संभल(सब का सपना):- चन्दौसी रोड स्थित विवान अस्पताल में केमिस्ट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रहित से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन का संकल्प लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री अजय कुमार शर्मा ने कहा कि केमिस्ट एसोसिएशन केवल व्यापारिक संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रवादी सोच से प्रेरित संगठन भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केमिस्ट को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल अभियान का समर्थन करते हुए सभी सदस्यों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, नशीली वस्तुओं के सेवन के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाने, प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पूरी तरह बंद रखने तथा अपनी मेडिकल दुकानों और उनके आसपास स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक के दौरान संगठन के विस्तार के तहत 10 नए केमिस्टों को माल्यार्पण कर एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण कराई गई। कोषाध्यक्ष मोहम्मद शाहनवाज आलम, उपाध्यक्ष मोहम्मद नसीम और वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यवीर सिंह पाल ने नए सदस्यों का स्वागत किया। एसोसिएशन की सदस्यता लेने वालों में अवधेश यादव, प्रताप आर्य, राजपाल कश्यप, सुनील कश्यप, वाजिद, शाहरुख खान, जीवन प्रजापति, रजनीश यादव, मोहम्मद हसनैन और विनय यादव शामिल रहे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यवीर सिंह पाल ने बताया कि अब तक 70 नए केमिस्ट संगठन की विधिवत सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं, जिससे संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। बैठक की अध्यक्षता महामंत्री अजय कुमार शर्मा ने की, जबकि संचालन दुर्वेश सैनी ने किया। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने तथा राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

प्रभारी मंत्री ने जिला सूचना कार्यालय में नवनिर्मित कक्षों का किया लोकार्पण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला सूचना अधिकारी कार्यालय, बहजोई में पुस्तकालय कक्ष, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल एवं भंडार कक्ष के जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्य का लोकार्पण मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री एवं सहकारिता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर ने किया। लोकार्पण समारोह के दौरान मंत्री ने नवनिर्मित कक्षों का अवलोकन किया और सूचना विभाग के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित पुस्तकालय एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल सूचना के प्रभावी संप्रेषण, सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा जनसंपर्क व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, मंत्री प्रतिनिधि तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नवनिर्मित कक्षों के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सूचना विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर की अध्यक्षता में जनपद के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए राज्यमंत्री ने अधिकारियों को योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान राज्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रगति, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा कानून व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए और जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने विभागों के कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए गए।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, सख्त निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की लंबित शिकायतों, संतुष्ट एवं असंतुष्ट फीडबैक तथा हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की गई।<बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस पोर्टल पर अपलोड की जाने वाली प्रत्येक आख्या का प्राथमिकता के आधार पर गंभीरता से परीक्षण किया जाए। बिना जांच-पड़ताल के कोई भी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड न की जाए, ताकि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यात्मक निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का अभी तक निस्तारण नहीं हुआ है, उनका स्थलीय निरीक्षण कर समयबद्ध ढंग से समाधान किया जाए, जिससे शिकायतें असंतोषजनक श्रेणी में न जाएं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शिकायतों को डिफॉल्टर होने से कम से कम दो दिन पहले पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि उनका समुचित अध्ययन कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतों का समाधान निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में पूरी गंभीरता बरती जाए। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों के समाधान में लापरवाही किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं होगी और सभी विभाग समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी, आईजीआरएस पटल सहायक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएचसी का निरीक्षण करने पहुंचे प्रभारी मंत्री, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दिए सख्त निर्देश

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद सम्भल के प्रभारी मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चन्दौसी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), एमसीएच महिला विंग, लेबर रूम, महिला एएनसी वार्ड, नेत्र रोग विभाग, औषधि भंडारण कक्ष तथा दवा वितरण कक्ष का बारीकी से निरीक्षण किया। एमसीएच महिला विंग में उन्होंने प्रसव उपरांत भर्ती महिलाओं एवं उपचाराधीन गर्भवतियों से बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और चिकित्सा व्यवस्था का फीडबैक प्राप्त किया। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में प्रभारी मंत्री ने गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों की माताओं से संवाद कर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एनआरसी की सुविधाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा आमजन को इसकी उपयोगिता के प्रति व्यापक रूप से जागरूक किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से भी कहा कि वे एनआरसी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें, ताकि गंभीर कुपोषित बच्चों को समय रहते उपचार मिल सके। इसके बाद उन्होंने नेत्र रोग विभाग, औषधि भंडारण कक्ष एवं दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। औषधि भंडारण रजिस्टर और एक्सपायरी दवाओं से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया, जो संतोषजनक पाए गए। उन्होंने दवा प्रबंधन व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे इसी प्रकार बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार होना चाहिए और मरीजों को सभी सुविधाएं सुगमता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह 'रिंकू', पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, सीएचसी चन्दौसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरविंदर सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बाघ मित्र गुलदार से बचाव व वन्यजीवों के साथ सुरक्षित व्यवहार का करेंगे प्रशिक्षण प्राप्त

बिजनौर (सब का सपना):- वन महोत्सव-2026 के सातवें दिन मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट से इंदिरा पार्क तक प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में एनसीसी कैडेट्स, आरजेपी कॉलेज, केपीएस, प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन, रूट्स पब्लिक स्कूल तथा पर्यावरण प्रहरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह ने प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में उन्होंने

अधिक से अधिक पौधे लगाने, प्रदूषण कम करने तथा प्रत्येक बच्चे से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधा लगाकर उसका संरक्षण एवं पालन-पोषण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने जनपद की सभी रेंजों से चयनित 24 बाघ मित्रों को पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए रवाना होने वाली गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई। प्रशिक्षण के दौरान बाघ मित्र गुलदार से बचाव एवं वन्यजीवों के साथ सुरक्षित व्यवहार के तरीकों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिसके बाद वे जनपदवासियों को भी जागरूक करेंगे। प्रभागीय निदेशक जय सिंह कुशवाहा ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। प्रभात फेरी में क्षेत्रीय वन अधिकारी महेश गौतम, नीतीश कुमार, रचित चौधरी, हिमानी, मोतीलाल, हेमेंद्र सिंह सहित वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं पर्यावरण प्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। उधर मेडिकल अस्पताल में वन विभाग और स्वास्थ्य विभाग क्या अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

किसानों का कलेक्ट्रेट में मांगों को लेकर प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- किसान मजदूर संगठन के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने मंगलवार दोपहर एक बजे कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने मालन नदी पर पुल निर्माण की मांग की। यह पुल उत्तर शुगर मिल बरकातपुर से ग्राम सबलपुर बीतरा होते हुए रेलवे स्टेशन मौजमपुर नारायण जाने वाले मार्ग पर प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, तहसील नजीबाबाद के ग्राम सबलपुर बीतरा से बरकातपुर तक की सड़क और ग्राम असगरपुर से शादीपुर (तहसील नजीबाबाद) तक की क्षतिग्रस्त सड़क के पुनर्निर्माण की भी मांग की गई।
किसानों ने असगरपुर से किरतपुर मार्ग पर पुल के निर्माण और

महावतपुर दलपत से लाइक, शाहपुर उसराव मार्ग की मरम्मत को भी अपनी प्रमुख मांगों में शामिल किया। किसानों ने अपनी निजी आवश्यकताओं के लिए मिट्टी के उपयोग पर पुलिस या अन्य विभागों द्वारा की जा रही अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उन्होंने ग्राम गजरौला अचपल, तहसील बिजनौर स्थित तालाब और सरकारी भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाने की भी अपील की। एनएचएआई द्वारा किसानों की भूमि पर लगाए गए अनावश्यक अवरोधों (जैसे बाउंड्री वॉल और फैंसिंग) का उचित समाधान कर किसानों की समस्याओं का निस्तारण करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। अन्य मांगों में जनपद बिजनौर में हिंसक एवं आवारा गुलदारों से ग्रामीणों को सुरक्षा दिलाने हेतु प्रभावी कार्रवाई की मांग प्रमुख थी। इसके साथ ही, चालक लाइसेंस बनवाने हेतु हो रही अवैध उगाही पर रोक लगाने और जनपद की सभी तहसीलों में अंश व नाम की समस्या को सार्वजनिक रूप से सही कराने की भी अपील की गई। किसानों ने चकबंदी विभाग में कथित 'लूट' को बंद करने की भी मांग उठाई। किसानों ने गन्ना सहकारी समिति एवं कोऑपरेटिव समितियों द्वारा ऋण पर लिए गए 7% ब्याज में से 4% सरकारी वापसी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि यह राशि अभी तक किसानों के खातों में नहीं आई है और इसके शीघ्र भुगतान की मांग की।

अति कुपोषित, बच्चों व एनिमिया प्रभावित महिलाओं को संचालित योजनाओं का मिले लाभ- जसजीत कौर

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार की दोपहर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने उपस्थिति अधिकारियों को कुपोषण एवं अति कुपोषण से ग्रसित बच्चों तथा एनीमिया से प्रभावित गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की समयबद्ध पहचान कर उन्हें शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दियें जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहाँ कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित रूप से वजन एवं लंबाई का मापन किया जाए तथा प्रत्येक पात्र लाभार्थी का विवरण पोषण ट्रैकर पर समय से अपडेट किया जाए। उन्होंने सभी सीडीपीओ को माइक्रो प्लान के

अनुसार कार्य करते हुए पोषण अभियान की गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैम एवं मैम बच्चों का समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत चिन्हांकन किया जाए तथा ऐसे बच्चों के उपचार, नियमित फॉलोअप एवं पोषण पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उत्तराखंड सीमा से लगे ग्रामों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की भी समीक्षा की तथा वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर फर्नीचर अथवा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध नहीं है, वहां प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक सामग्री एवं फर्नीचर की खरीद सुनिश्चित कर सभी केंद्रों को आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करते हुए निर्धारित समयावधि में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दवाई लेने गई बुजुर्ग महिला की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सोमवार देर रात करीब 9:30 बजे धामपुर थाना क्षेत्र के नगीना चौराहे पर हुई। मृतक की पहचान कृष्णा (70 वर्ष) पत्नी बलवीर सिंह, निवासी मकसूदाबाद,

थाना अफजलगढ़ के रूप में हुई है। पोस्टमार्टम हाउस पर मंगलवार को 12 बजे पहुंचे परिजनों के अनुसार, कृष्णा धामपुर में डॉक्टर के पास दवाई लेने आई थीं। देर रात वह वापस अपने घर जा रही थीं, तभी नगीना चौराहे पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिजनौर में 509 विद्युत सखियों को मिले थर्मल प्रिंटर, अब घर-घर मिलेगी बिजली बिल की तत्काल रसीद

बिजनौर (सब का सपना):- महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और बिजली बिल संग्रह व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कन्वर्जेंस समिति की बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनपद की विद्युत सखियों को निःशुल्क थर्मल प्रिंटर वितरित किए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि थर्मल प्रिंटर मिलने से विद्युत सखियां गांव-गांव और घर-घर जाकर बिजली बिल जमा करने के साथ ही उपभोक्ताओं को मौके पर तत्काल रसीद उपलब्ध करा सकेंगी। इससे बिल संग्रहण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, कार्य में

तेजी आएगी और उपभोक्ताओं को भी बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि जनपद बिजनौर में वर्तमान में 509 विद्युत सखियां कार्यरत हैं, जो प्रत्येक माह ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर बिजली बिल का संग्रह करती हैं। इनके माध्यम से हर महीने दो करोड़ रुपये से अधिक का बिजली बिल जमा कराया जाता है। जिलाधिकारी ने बताया कि विद्युत सखी योजना उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की जा रही है। इस योजना से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विद्युत सखियां प्रतिमाह लगभग 15 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है और विभिन्न विभागों के समन्वय से ऐसे नवाचार लगातार किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलें और उनकी आय में वृद्धि हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, डीसी मनरेगा, विद्युत विभाग के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विद्युत सखियां उपस्थित रहीं।

श्रीराम कथा में रामायण के आदर्श पात्रों का हुआ भावपूर्ण वर्णन

बिजनौर (सब का सपना):- मुख्यालय बिजनौर स्थित काकरान वाटिका में आयोजित राम कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान पूरा पंडाल जय श्री राम के उद्घोष और भक्ति रस में सराबोर रहा। व्यास पीठ से योगेंद्र माधव भारद्वाज महाराज ने वाल्मीकि, श्रीराम, हनुमान, भरत, शत्रुघ्न सहित रामायण के विभिन्न पात्रों के आदर्श चरित्रों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने

की सर्वोत्तम प्रेरणा है। इसके प्रत्येक पात्र से त्याग, सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और धर्म पालन की सीख मिलती है। कथावाचक ने अपने प्रवचन में सनातन धर्म की एकता पर बल देते हुए समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर योग्य नेतृत्व का चयन करना चाहिए। कथा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से उपस्थित होकर भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का श्रवण किया।कथा समिति के पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक पूरे आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय रहे।

मौअजमपुर में ट्रेन से कटकर गुलदार की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मौअजमपुर रेलवे स्टेशन के निकट ट्रेन से कटकर एक गुलदार की मौत हो गई। वन कर्मियों ने सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर गुलदार के शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराकर शव का अंतिम संस्कार करा दिया। मौअजमपुर गजरौला रेलवे लाइन पर गुलदार के शव के पड़े होने की सूचना रेलवे कर्मचारीयों द्वारा

वन अधिकारियों को दी गई। मौके पर पहुंचकर वन विभाग के कर्मचारियों ने शव को रेलवे ट्रैक से हटाकर अपने कब्जे में लिया। वन अधिकारियों ने बताया कि संभवत रात्रि के समय गुलदार के रेलवे ट्रैक पार करते समय किसी ट्रेन के आने पर उसकी टक्कर लगने से मौत हुई है।
वन अधिकारियों के अनुसार मृतक गुलदार पांच वर्ष का था।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप, पति समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव, पुलिस ने शुरू की जांच

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम लुकादड़ी में दहेज उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मायके पक्ष ने पति समेत ससुराल के छह लोगों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में शांति नगर, पूना निवासी शहनाज खलील शेख ने बताया कि उनकी पुत्री गुलनाज खलील शेख का निकाह 21 अप्रैल 2026 को लुकादड़ी निवासी मो. आसिफ पुत्र मो. यामीन के साथ हुआ था। उनका कहना है कि निकाह में सामर्थ्य के अनुसार जेवर, कपड़े, फर्नीचर, बर्तन, बिजली का सामान और दो लाख रुपये नकद दिए गए थे। शिकायत के अनुसार, निकाह के बाद से ही पति मो. आसिफ, ससुर मो. यामीन, जेठ मो. जावेद तथा ननद शाहना, शाइस्ता और शबाना अतिरिक्त दहेज में कार की मांग को लेकर गुलनाज को प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि उसके साथ मारपीट की जाती थी, गाली-गलौज की जाती थी और उसे मायके वालों से बात तक नहीं करने दी जाती थी। शहनाज का आरोप है कि 6 जुलाई को सभी नामजद आरोपियों ने गुलनाज के साथ मारपीट की और उसे जहर देकर मौत के घाट उतार दिया। उनका कहना है कि जब भी वे बेटी से मिलने जाते थे,
वह ससुराल में हो रहे उत्पीड़न की जानकारी देती थी। उन्होंने घटना का गवाह अपने पति खलील शेख को भी बताया है।थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

द आइकॉनिक स्कूल, जलालपुर खुर्द के छात्र ने उत्तर प्रदेश का नाम किया रोशन

अमरोहा (सब का सपना):- द आइकॉनिक स्कूल, जलालपुर खुर्द, अमरोहा के कक्षा 8 के छात्र कुलजीत सिंह ने शूटिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया है। उन्होंने 49वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में यूथ कैटेगरी (टीम इवेंट) में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और जनपद अमरोहा का गौरव बढ़ाया।यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 21 जून 2026 से 30 जून 2026 तक डॉ. कर्णी सिंह इंटरनेशनल शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित हुई। कुलजीत सिंह ने व्यक्तिगत प्रदर्शन में 518/600 अंक प्राप्त किए। उनकी टीम के अन्य सदस्य

दीपांशु चौधरी और आदर्श खरौड़ के साथ मिलकर उन्होंने यूथ टीम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इस उपलब्धि ने साबित कर दिया कि सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से छोटे शहर के छात्र भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता पा सकते हैं।प्रतियोगिता से वापसी पर द आइकॉनिक स्कूल परिवार ने कुलजीत सिंह का भव्य स्वागत किया। प्रधानाचार्य, शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबंधन ने पुष्पमालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच छात्रों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा, यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। कुलजीत सिंह की सफलता अन्य विद्यार्थियों को खेलों के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करेगी।ह्व उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेल, निशानेबाजी और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास के बल पर कुलजीत सिंह ने यह मुकाम हासिल किया है।यह उपलब्धि अमरोहा जिले के लिए भी गौरवपूर्ण है। कुलजीत सिंह जैसी प्रतिभाएं भविष्य में देश का नाम और भी ऊंचा उठाएंगी।

वन महोत्सव सप्ताह के समापन पर जिला पंचायत परिसर में हुआ वृक्षारोपण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- वन महोत्सव सप्ताह के अंतिम दिन मंगलवार को नवनिर्मित जिला पंचायत भवन, बहजोई परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव, जनप्रतिनिधियों तथा जिला पंचायत सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान अशोक, बरगद, पीपल और नीम जैसे छायादार एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधे रोपे गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। राज्यमंत्री जे.पी.एस. राठौर ने कहा

कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उन्हें संरक्षित रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव ने भी पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर वन विभाग के क्षेत्रीय वनाधिकारी प्रभात कुमार, बहजोई सेक्शन प्रभारी नीरज कुमार, चन्दौसी रेंज का समस्त स्टाफ सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एआरटीओ नीतू शर्मा ने मिशन सेफ फ्यूचर के तहत 7 स्कूली वाहनों पर की कार्रवाई

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत एआरटीओ नीतू शर्मा ने स्कूली वाहन जांच के दौरान नेशन पब्लिक स्कूल, मिजापुर के 2, डी.एस. मेमोरियल ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के 3, कृष्ण कुमार सरस्वती स्कूल का 1 तथा विवेकानंद जूनियर हाई स्कूल का 1 वाहन बिना वैध परमिट, फिटनेस एवं अन्य आवश्यक प्रपत्रों के संचालित मिलता पाया गया। सभी 7 वाहनों के विरुद्ध चालान एवं बंद (सीज) की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में बिना वैध दस्तावेजों के कोई भी स्कूली वाहन संचालित मिलने पर संबंधित स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खेती में जैविक नैनो उर्वरक का प्रयोग करें किसान

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह महाविद्यालय लखावटी में इफ्को द्वारा किसानों के मध्य संतुलित पोषण आहार टिकाऊ कृषि के साथ आधुनिक उर्वरक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।जिसमें उर्वरक बिक्री केंद्र प्रभारियों ने प्रशिक्षण लिया कार्यक्रम के मुख्यातिथि जिला कृषि अधिकारी रामकुमार यादव ने जैव उर्वरकों एवं नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग के लाभ, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। किसानों को इसका प्रभाव के प्रदर्शन के लिए फसलों पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आह्वान किया। साथ ही आने वाले समय मे नैनो व जैव उर्वरकों के महत्व पर विशेष बल दियह कहा कि इफको द्वारा विकसित नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी तथा जैव उर्वरक किसानों के लिए आधुनिक, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं। इन उत्पादों के वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग से फसल उत्पादन में वृद्धि, उर्वरकों के उपयोग की दक्षता में सुधार तथा मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही विक्रेताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें उत्पादों के प्रभावी प्रचार-प्रसार एवं किसानों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। डॉक्टर वी एस प्रसाद ने बताया कि जैव उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता एवं सूक्ष्मजीव गतिविधियों में वृद्धि होती है, जबकि नैनो उर्वरक पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ाकर उत्पादन लागत को कम करने पर बेहतर फसल उत्पादन में सहायक होते हैं। कार्यक्रम का अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर ओमबीर सिंह ठेनुआ ने की ओर संचालन कुलदीप सिरोही ने किया।प्रशिक्षण शिविर में साहिल जांगडा, रोहित कुमार, राहुल कुमार,यतेंद्र कुमार मौजूद रहे।

स्याना में आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारी तेज एडीएम प्रशासन व एसपी सिटी ने कांवड़ मार्ग का किया औचक निरीक्षण

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के स्याना में आगामी कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन पूर्ण तैयारी करने में जुटा है। शासन और प्रशासन पूरा अमला अब हाई अलर्ट मोड पर आ गया है। देर शाम सोमवार को अपर जिला अधिकारी नीतीश कुमार अपर पुलिस अधीक्षक अभिषेक प्रताप ने कावड़ रूट का निरीक्षण किया। इस दौरान स्याना क्षेत्राधिकारी रामकरन सिंह लोक निर्माण विभाग विद्युत विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पैदल मार्च करके जमीनी हकीकत का भी जायजा लिया उन्होंने विद्युत विभाग व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि समय रहते दोनों विभाग मरम्मत का कार्य समय रहते पूरा कर लें। एसपी सिटी ने क्षेत्र वासियों से अपील की है कि कावड यात्रा को सरल सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए शासन प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें।

सुलैला के राजू की राजबाहे में गिरने से मौत

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव सुलैला निवासी राजू शराब पीने का आदि था, सोमवार को वह शराब के नशे मे राजबाहे की पटरी पर घूम रहा था। घूमते घूमते अचानक रजबाहे में गिर गया। जानकारी के अनुसार जब राजू काफी देर तक घर नही पहुंचा तो परिजनों ने तलाश करना शुरू किया तो रजबाहे की पुलिया के नीचे पडा मिला, उन्होंने बताया कि उसका मुहू पानी में डूबा था जिसके कारण सांस नही आने से मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को बताये बगैर राजू का भगवानपुर गंगा घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया है।

खंड शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति सूची जारी, बुलंदशहर के तीन इएड को नई जिम्मेदारी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) की पदोन्नति सूची जारी कर दी गई है। जारी सूची के अनुसार जनपद बुलंदशहर में कार्यरत तीन खंड शिक्षा अधिकारियों को पदोन्नति एवं नवीन तैनाती प्रदान की गई है। विकासखंड स्याना में कार्यरत ललित मोहन पाल का स्थानांतरण आगरा जनपद में किया गया है। वहीं विकासखंड खुर्जा के सुनील कुमार डबराल को सहारनपुर जनपद में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा विकासखंड गुलावठी के प्रमोद कुमार शर्मा को प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग में पदोन्नति प्रदान करते हुए उप शिक्षा निदेशक कार्यालय, बिजनौर में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने तीनों अधिकारियों को पदोन्नति एवं नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

लखावटी में जैव एवं नैनो उर्वरकों के प्रचार-प्रसार पर विक्रेताओं का प्रशिक्षण

लखावटी/बुलंदशहर (सब का सपना):- इफको द्वारा अमर सिंह कॉलेज, लखावटी ब्लॉक में जैव एवं नैनो उर्वरकों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से उर्वरक विक्रेताओं का प्रशिक्षण सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. ओ.वी.एस. ठेनुआ ने तथा मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी राम कुमार यादव ने की।

सम्मेलन में किसानों के लिए नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी एवं जैव उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग, संतुलित पोषण, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और उत्पादन बढ़ाने में उनकी भूमिका पर जानकारी दी गई। वक्ताओं ने उर्वरक विक्रेताओं से किसानों को इन उत्पादों के संतुलित एवं अनुशंसित उपयोग के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन इफको के प्रबंधक कुलदीप सिरोही ने किया।

12 जुलाई तक जनपद की 130 ग्राम पंचायतों में मियावाकी पद्धति से होगा सघन वृक्षारोपण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर जनपद की 130 चयनित ग्राम पंचायतों में मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण अभियान शुरू किया जाएगा। इसी क्रम में जिला पंचायत राज विभाग एवं सामाजिक वानिकी प्रभाग ने खंड विकास अधिकारियों, ग्राम पंचायत सचिवों, अभियंताओं व अन्य संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। अधिकारियों को 8 जुलाई से चयनित स्थलों पर कार्य प्रारंभ कर 12 जुलाई तक शत-प्रतिशत मियावाकी वृक्षारोपण पूरा करने के निर्देश दिए गए। मियावाकी पद्धति जापानी वनस्पति वैज्ञानिक अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित तकनीक है, जिसमें देशी प्रजातियों के पौधों का सघन रोपण कर कम समय में प्राकृतिक एवं घना वन तैयार किया जाता है।

अवैध ओयो होटल सील, बीकेडीए व पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के टेना-सिकरी मार्ग स्थित तीन ओयो होटलों पर बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण (बीकेडीए) और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया। जांच में तीनों होटल भवनों के मानचित्र बीकेडीए से स्वीकृत नहीं पाए गए, जिसके चलते कार्रवाई की गई। बताया गया कि तीन दिन पूर्व इन्हीं में से एक होटल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान होटल में मौजूद युवक-युवतियों में अफरातफरी मच गई और कई लोग मौके से निकल गए।

एबीवीपी के रक्तदान शिविर में पहुंचे विधायक लक्ष्मीराज सिंह

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जैन इंटर कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (मेरठ प्रांत) के रक्तदान शिविर में विधायक लक्ष्मीराज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। विधायक ने शिविर के सफल आयोजन पर एबीवीपी की सराहना करते हुए युवाओं से सामाजिक सेवा व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

सद्बुद्धि यात्रा रोकने पर कांग्रेसियों की पुलिस से झड़प, नारेबाजी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- अयोध्या राम मंदिर में कथित दान चोरी के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने सद्बुद्धि यात्रा निकाली। डीएवी कॉलेज के पास पुलिस ने यात्रा रोक दी, जिस पर कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच धक्कामुक्की व नारेबाजी हुई। बाद में कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर मामले की सीबीआई जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और जांच पूरी होने तक संबंधित अभिलेख व सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की।

ख्याला में स्पेशल स्टाफ का बड़ा एक्शन, जुए के अड्डे पर छापा; आयोजकों समेत 13 जुआरी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने ख्याला इलाके में चल रहे अवैध जुए के अड्डे का पदार्फाश करते हुए आयोजकों समेत 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से ङ्19,390 की दांव की नकदी बरामद की है। डीसीपी हर्षेश्वर वी. स्वामी (आईपीएस) के निर्देशन और एसीपी ऑपरेशंस की निगरानी में इंस्पेक्टर स्पेशल स्टाफ के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना पर जेजे कॉलोनी, ख्याला स्थित एक मकान की पहली मंजिल पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान एएसआई मनोज त्यागी, एएसआई ओम प्रकाश, हेड कांस्टेबल दिनेश, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र और कांस्टेबल गुरमीत ने 13 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि शहबाज उर्फ भोला अपने साथी मोहम्मद वारिस के साथ मिलकर लंबे समय से जुए का अड्डा संचालित कर रहा था। जांच में सामने आया कि शहबाज पहले भी जुए के मामले में शामिल रह चुका है, जबकि वारिस के खिलाफ पहले से तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बरामद नकदी जब्त कर सभी आरोपियों के खिलाफ दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पश्चिमी जिला पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल का कार कंपनियों से 'सवाल', ई20 पेट्रोल से माइलेज गिरा या इंजन बिगड़ा तो कौन देगा हजार्ना?

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वे सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों को चिट्ठी लिखेंगे और ग्राहकों के लिए लिखित आश्वासन मांगेंगे। दरअसल, वे गाड़ियों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपयोग करने पर आ रही शिकायतों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांग कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि वे कंपनियों से लिखित रूप में आश्वासन चाहेंगे कि यदि उनकी गाड़ियों में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग किया जाए तो यदि माइलेज 10 फीसद से अधिक गिरता है, तो क्या कंपनी ग्राहक को नुकसान की भरपाई करेगी? यदि गाड़ी का कोई भी पार्ट डैमेज होता है, तो कंपनी उसे मुफ्त में रिप्लेस करेगी? उन्होंने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प जैसी कंपनियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी सार्वजनिक बातें और ओनर मैनुअल में दी गई चेतावनियां (जो अक्सर ई10 तक सीमित सिफारिश करती हैं) एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं। केजरीवाल ने कहा कि अगले हफ्ते वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी चिट्ठी लिखेंगे और पूछेंगे कि ई20 से गाड़ी में कोई समस्या आने पर जिम्मेदारी और मुआवजा कौन देगा? सरकार या ऑटो कंपनियां? उन्होंने पहले भी मांग की थी कि पेट्रोल पंपों पर ई शून्य (शुद्ध पेट्रोल), ई10 और ई20 के अलग-अलग विकल्प और अलग कीमत पर उपलब्ध हों।

पंजाब के गैंगस्टर' की तर्ज पर राजधानी में गैंग खड़ा करने की साजिश नाकाम, स्पेशल स्टाफ ने चार बदमाशों को हथियारों समेत दबोचा

नई दिल्ली। द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने राजधानी में नया गैंग खड़ा करने की कोशिश को नाकाम करते हुए गैंग लीडर अमन उर्फ सुक्खा समेत चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अत्याधुनिक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और दो बटनदार चाकू बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पंजाब के एक कुख्यात गैंगस्टर से प्रभावित होकर दिल्ली में अपना गिरोह तैयार करने की फिराक में था और इलाके में दहशत फैलाने के लिए अवैध हथियार जुटा रहा था। डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह (IPS) के निर्देशन में चलाए जा रहे "No Guns, No Gangs" अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अमन उर्फ सुक्खा अपने साथियों के साथ बिंदापुर इलाके में अवैध हथियारों के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही स्पेशल स्टाफ ने सेवा भारती चौक, ओल्ड पंखा रोड पर घेराबंदी कर चारों आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अमन पहले भी हत्या के प्रयास, लूट और स्नैचिंग जैसे गंभीर मामलों में शामिल रह चुका है। वह स्थानीय युवकों को अपने साथ जोड़कर राजधानी में अपना दबदबा कायम करने की योजना बना रहा था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय था। इस कार्रवाई को एसीपी ऑपरेशन सुभाष मलिक की निगरानी और स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में एसआई राकेश, एसआई जयबीर, एचसी कुलदीप, एचसी परवीन, एचसी आदेश, एचसी बच्चू सिंह और कांस्टेबल हेमराज ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस अब आरोपियों से बरामद हथियारों के सप्लायर और गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस अब आरोपियों से बरामद हथियारों के स्त्रोत और गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है।

दिल्लीवालों का सफर होगा आसान, सड़कों पर उतरीं 300 नई ई-बसें; अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी

दक्षिणी दिल्ली। आरके पुरम स्थित सेंट्रल पार्क में मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने 300 ई-बसें दिल्ली की जनता को लोकार्पित कीं। प्रतिकात्मक रूप से उन्होंने 11 ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही 'मिशन 70 लाख' पौधरोपण अभियान की शुरूआत भी की। दिल्ली के दो लाख लोगों को 'एक पेड़ मां के नाम' से जोड़ा जाएगा। वहीं दिल्ली के 250 वार्ड और 70 विधानसभा क्षेत्र में जनभागीदारी के साथ पौधरोपण कराया का रहा है। फेंसिंग के साथ ही पौधों की जिओ टैगिंग कराई गई है। ताकि निगरानी सुनिश्चित हो और यदि जब पौधों को किसी प्रकार नुकसान हो तो वहां नए सिरे से पौधे लगाए जा सकें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र और राज्य जब मिलकर काम करते हैं तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी कठिन नहीं रह जाता। हमारे संस्कार सिखाते हैं कि प्रकृति से लेने से पहले उसका सम्मान करना होता है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के विरोधी नहीं, पर्याय हैं। हमने सरकार बनने के बाद लगातार ग्रीन कवर बढ़ाने पर काम किया। बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन कवर के लिए रखा। दिल्ली में हम 100 ऑक्सीजन पार्क बनाएंगे, जिनमें से 11 का काम शुरू भी हो चुका है। पेड़ केवल लगाए ना जाएं, बचाए भी जाएं। इसके लिए आरडब्ल्यूए और संस्थाओं को बजट भी दिया। 'मिशन 70 लाख' पौधरोपण अभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल पौधों से प्रदूषण पर वार नहीं होगा, बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल पर जोर दिया जा रहा है। गृहमंत्री ने आज 300 ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी के साथ दिल्ली में ई-बसों का फ़्लीट 4800 ईवी बसों का हो गया है, जो किसी भी शहर की ईवी फ्लीट से ज्यादा है। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक इसे बढ़ाकर 7,000 और 2028 तक 14,000 करना है।

दिल्ली: गुरुजी जन्मोत्सव के चलते आज इन रूटों पर रहेगी पाबंदी, निकलने से पहले देख लें ट्रैफिक एडवाइजरी

दक्षिणी दिल्ली। गुरुजी निर्मल सिंह महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर मंगलवार को महरौली स्थित गुरुजी आश्रम भट्टी माइंस में विशाल धार्मिक सभा का आयोजन होगा। समारोह में वीआइपी, गणमान्य व्यक्तियों और देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। श्रद्धालुओं का आगमन मंगलवार देर रात तक जारी रहने की उम्मीद है। सुबह पांच बजे से आश्रम पहुंचने की अपील ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, आश्रम में प्रवेश सभी श्रद्धालुओं और सभी श्रेणी के वाहनों के लिए केवल छतरपुर रोड (एसएसएन मार्ग) से होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मंगलवार को सुबह पांच बजे से पहले आश्रम पहुंचने का प्रयास करें, ताकि भीड़भाड़ से बचा जा सके। विभिन्न श्रेणी के वाहनों के लिए अलग-अलग प्रवेश व्यवस्था तथा मार्गदर्शन के लिए सूचना संकेतक लगाए गए हैं। आश्रम परिसर के भीतर पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था की गई है। हालांकि, एसएसएन मार्ग पर किसी भी वाहन को पार्क करने की अनुमति नहीं होगी। गलत तरीके से खड़े वाहनों को टो करके हटाया जाएगा और संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार रात 12 बजे तक छतरपुर रोड (एसएसएन मार्ग) और गुरुग्राम रोड टी-प्वाइंट के बीच भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। मंडी-डेरा सीमा की ओर से आने वाले भारी वाहनों को गदाईपुर पुलिस चौकी से महरौली-गुरुग्राम रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा, जबकि भट्टी माइंस की ओर से आने वाले भारी वाहन बांध रोड, जोनापुर और महरौली रोड के रास्ते भेजे जाएंगे।

जानकारी

सीने में दर्द और जलन का कारण हो सकता है 'प्लूरिसी' रोग

फेफड़ों की झिल्लियों में हो जाता है इन्फेक्शन

सीने में दर्द और जलन हो, तो ये सिर्फ हार्ट अटैक या दिल की बीमारी का संकेत नहीं होता है, बल्कि कई बार फेफड़ों की बीमारी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्लूरिसी फेफड़ों से संबंधित रोग है। हमारे फेफड़ों की सुरक्षा के लिए उन पर पतली झिल्ली का दोहरा खोल चढ़ा होता है। इन झिल्लियों को प्लूरा कहते हैं। इसकी एक तह फेफड़ों के बाहरी भाग पर चढ़ी रहती है और दूसरी तह पसलियों के भीतरी भाग पर। इन्हीं झिल्लियों में होने वाले संक्रमण को प्लूरिसी कहते हैं।

इस संक्रमण के कारण झिल्लियों में सूजन आ जाती है। इन दोनों झिल्लियों के बीच द्रव की एक पतली पर्त होती है, जो इन्हें चिकनाहट प्रदान करती है। इस रोग के कारण इन झिल्लियों में सूजन आ जाती है और ये अपेक्षाकृत मोटी हो जाती हैं। इस वजह से दोनों झिल्लियां आपस में टकराने लगती हैं। इस टकराहट के कारण झिल्लियों के बीच का द्रव एक जगह ठहरने लगता है और जमने लगता है। इसके कारण रोगी को छाती में तेज जलन और दर्द महसूस होता है जो कभी-कभी असहनीय हो सकता है।

यह हैं रोग के लक्षण

चूंकि ये रोग फेफड़ों से संबंधित है इसलिए इस रोग के कारण मरीज को सांस लेने, छींकने और खांसने में बहुत परेशानी होती है। इस रोग का सबसे आम लक्षण सीने में तेज दर्द और जलन है, जिसके कारण छींकने और खांसने में तेज दर्द होता है। प्लूरिसी के कारण सांस लेने और छोड़ने में भी तकलीफ होती है और दर्द महसूस होता है। इस रोग के कारण छाती भारी लगने लगती है और खांसने के दौरान मुंह से कुछ गंदे पदार्थ भी निकल सकते हैं। इसके अलावा बुखार आना, भूख न लगना और शरीर का वजन तेजी से कम होने लगना आदि प्लूरिसी के लक्षण हैं।

प्लूरिसी रोग के कारण

प्लूरिसी में तीन तरह से सूजन आ सकती है- शुष्क प्लूरिसी, नम प्लूरिसी और एम्पाइमा प्लूरिसी। फेफड़े में बैक्टीरियल इंफेक्शन या छाती की मांसपेशियों में वायरल संक्रमण शुष्क प्लूरिसी के कारण होता है। कई बार फेफड़ों की टीबी, फेफड़े का ट्यूमर जैसे रोग होने पर खून की सप्लाई रुक जाने से भी प्लूरा की तहों में सूजन आ जाती है। नम प्लूरिसी तब होती है जब प्लूरिसी में पानी भर जाता है। टीबी के कारण प्लूरा में पानी भर जाता है। इसके अलावा निमोनिया, ट्यूमर, कैंसर के कारण भी प्लूरा प्रभावित हो सकती है। पेट के अंदरूनी अंगों में सूजन होने पर भी ये तकलीफ हो सकती है। दिल, गुर्दे और जिगर में से किसी एक के ठीक से काम न करने पर भी प्लूरा में पानी भर सकता है। इसके अलावा एम्पाइमा होने पर प्लूरिसी में खून एकत्र हो जाता है। चोट से प्लूरा में खून एकत्र होने व संक्रमण हो सकता है।

सही समय पर इलाज जरूरी

प्लूरिसी रोग खतरनाक और जानलेवा होता है, इसलिए इसका सही समय पर इलाज जरूरी है। सीने में तेज जलन, दर्द, चुभन आदि को बिल्कुल नजरअंदाज न करें। पेट के किसी भाग में कोई सूजन समझ आए या भूख न लगे और छाती भारी लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उचित सलाह लें। छाती के एक्स-रे या अल्ट्रासांउड में प्लूरा में पानी और मवाद के लक्षण दिख जाते हैं। अगर अल्ट्रासाउंड में प्लूरिसी रोग का पता चलता है तो इसका सही कारण जानने के लिए छाती के अंदर से सुई के माध्यम से नमूना निकालकर जांच की जाती है।

घरेलू इलाज

प्लूरिसी के लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन इसके दर्द से तत्काल राहत के लिए कुछ घरेलू नुस्खों की मदद ली जा सकती है। दर्द से राहत के लिए गरम पानी से सिंकाई या इलैक्ट्रिक हीटिंग पैड असरकारी है। अगर आप नियमित श्वसन से जुड़े व्यायाम करते हैं तो प्लूरिसी होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है, क्योंकि इससे फेफड़े को खुलने में मदद मिलती है।

वर्कआउट करने का सही समय और फायदे

सही व्यायाम से घटेगा वजन

स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए जितना जरूरी सही खानपान है, उतना ही जरूरी व्यायाम भी है, जिससे हमारा वजन भी नियंत्रित रहता है। स्वस्थ जीवन और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है व्यायाम। इस कारण हमारी दिनचर्या में व्यायाम को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी हो जाता है।

जीवित रहने के लिए जिस प्रकार वायु, जल और भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। इसकी कमी से या इसको नियमित रूप से न करने से मनुष्य का जीवन दुर्बल और अनेक रोगों का घर बन जाता है। प्रतिदिन नियम के तहत व्यायाम करने से शरीर हल्का तथा फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम हमेशा उतनी ही मात्रा में किया जाना चाहिए कि शरीर में थोड़ी थकावट तो महसूस हो, लेकिन आप थककर चूर न हो जाएं। जैसे-जैसे शक्ति का संचार बड़े, वैसे-वैसे व्यायाम का समय बढ़ाया जा सकता है।

शरीर की शक्ति से बढ़कर व्यायाम करना हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे, व्यायाम शरीर को गठीला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। विभिन्न लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम हैं। कुछ शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए होते हैं और कुछ निरोगी रखने में सहायक होते हैं। ऐसे ही कुछ व्यायामों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जिनसे बढ़ती उम्र को 10 साल तक कम किया जा सकता है।

खेलकूद में मन लगाएं

सामूहिक खेलकूद केवल कसरत करने से कहीं ज्यादा उपयोगी होते है। खेलों में मजा तो आता ही है, साथ ही शारीरिक कसरत भी हो जाती है, लेकिन सभी खेल एक जैसे उपयोगी नहीं होते। यह खेल की गति, उसमें लगने वाली ताकत, मासपेशियों के तालमेल, दबाव सहने की क्षमता आदि भी खेल की उपयोगिता पर निर्भर करती है।

जितना हो सके उतना चलें

चलना सभी उम्र के लोगों के लिए (खासतौर पर दिल की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए) काफी उपयोगी होता है। शारीरिक फायदों के अलावा चलने से स्फूर्ति और आराम मिलता है। मध्यम गति से एक किलोमीटर चलने पर करीब 50 कैलरी ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए जितना हो सके, चलना चाहिए।

योग को जीवन में ढालें

योग में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के अनुशासन की जरूरत होती है। योग एक कमाल का व्यायाम होता है, जिसमें मूलतः तीन चीज की जाती हैं- आसन, मुद्राएं, बंध। नियमित योग हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, डायबिटीज और मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम करता है।

योग की सीमाओं को समझें

किसी भी आसन को तीन से पांच बार और योग को एक से दो बार किया जा सकता है। अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रिरका जैसे प्राणायाम में सांस को अधिक देर तक न रोकें, वर्ना चक्कर आने एवं उल्टी आ सकती है। शीर्षासन को अधिक देर करने से चक्कर आ सकते हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सभी अभ्यास विशेषज्ञ की देखरेख में ही सीखें या करें।

नियमों को न करें नजरअंदाज

शुरुआत के लिए : शुरुआती दिनों में बहुत अधिक व्यायाम करने से बचें। ट्रेनर के अनुसार ही व्यायाम करें। सप्ताह में जितना व्यायाम कहा जाए, उससे ज्यादा करना शरीर को तकलीफ दे सकता है।

वार्मअप जरूर करें : व्यायाम शुरू करने के पहले वार्मअप जरूर करें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से तैयार हो सके। अगर आप वार्मअप की अनदेखी करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए हानिकरक हो सकता है।

उम्र के अनुसार : व्यायाम का चुनाव अपनी उम्र के अनुसार करें और शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अगर आपको सेहत संबंधी कोई समस्या है, तो इसका विशेष ध्यान रखें।

खानपान का ध्यान : व्यायाम के साथ-साथ डाइट का भी विशेष ध्यान रखें और तेजी से पचने वाले भोजन का सेवन करें। ये शरीर में मांसपेशियों के निर्माण में सहायता करते हैं।

प्रभावी नहीं होते ये व्यायाम

- एरोबिक्स व्यायाम से शरीर लचीला और मजबूत तो बनता है, लेकिन यह चर्बी कम करने में उतना सक्षम नहीं है।
- स्पॉट ट्रेनिंग से वजन घटाना आसान नहीं होता। बेहतर होगा कि कार्डियो व्यायाम के साथ इनको मिलाएं।
- सिट-अप्स, क्रंच व एब्स एक्सरसाइज करने से पेट की चर्बी नहीं घटती। वजन घटाने के लिए प्रभावी व्यायाम का चुनाव करना जरूरी है।
- जब तक आप वेट ट्रेनिंग के साथ कार्डियों को नहीं मिलाते हैं, वजन घटाने में कोई इसका योगदान नहीं हो पाता है और आप व्यर्थ में ही पसीना बहा रहे होते हैं।
- सीधे पैर कर सिट-अप्स लगाना व्यर्थ है। इससे कोई फायदा नहीं होता। इस तरह से सिट-अप्स लगाने से कमर में चोट लगने की आशंका अधिक हो जाती है।
- अगर आप पूरे सेट लगाकर पुल-डाउन कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि आप रॉड को आगे की ओर रखते हुए ही इसे करें। पीछे से पुल डाउन करने पर आपकी गर्दन एवं कंधों में चोट आ सकती है।

खेल भी अच्छा व्यायाम

खेल शिक्षिका नंदिनी रावत के मुताबिक, स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम का बढ़ा महत्व है। व्यायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से शारीरिक अंगों का विकास होता है और दृढ़ता आती है।

सुझाव

पेट के ऊपरी हिस्से में हो रहा दर्द कहीं पैंक्रियाटाइटिस तो नहीं

पेट में दर्द कई कारणों से हो सकता है। कई बार ये सामान्य बीमारियों जैसे एसिडिटी, कब्ज, गैस आदि के कारण होता है और कई बार इसके पीछे कोई गंभीर बीमारी हो सकती है। अगर किसी को पेट के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द हो रहा है तो संभव है कि उसे पैंक्रियाटाइटिस यानि अग्नाशयशोथ हुआ हो। ये रोग दो तरह का हो सकता है यानि एक्यूट और क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस। इस बीमारी के नाम से आपको कुछ नहीं समझ आ रहा है तो घबराएं नहीं। हम आपको बता रहे हैं कि क्या है ये बीमारी और कैसे संभव है इससे बचाव।

क्या होता है पैंक्रियाटाइटिस

अग्नाशय पेट के पीछे उदर गुहा में होता है जो सामान्यतः छोटी आंत में खाना को पचाने वाले एंजाइम्स छोड़ता है। अग्नाशय से निकलकर जब ये एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचते हैं, तो एक्टिवेट होते हैं और खाना पचाने की प्रक्रिया शुरू होती है। अगर यही एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचने से पहले सक्रिय हो जाएं, तो अग्नाशय को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे अग्नाशय यानि पैंक्रियाज में सूजन आ जाती है। अग्नाशय की इसी सूजन को प्रैंक्रियाटाइटिस कहते हैं। ये दो तरह के होते हैं। एक्यूट यानि तीव्र पैंक्रियाटाइटिस, जो तेजी से मरीज को अपनी चपेट में लेता है और इससे मरीज के दिल, फेफड़े या गुर्दे पर प्रभाव पड़ सकता है। दूसरा क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस यानि दीर्घकालिक पैंक्रियाटाइटिस, जिसमें मरीज को लंबे समय तक इस अंग विशेष में सूजन रहती है। पैंक्रियाटाइटिस एक गंभीर बीमारी है क्योंकि ये मरीज के दिल को भी प्रभावित कर सकती है। एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में मरीज को अचानक से इसका दर्द हो सकता है और इसका कारण ज्यादा मात्रा में शराब पीना, पित्ताशय में पथरी या किसी एक्सीडेंक के कारण लगी चोट हो सकती है। इसमें मरीज की जान को खतरा होता है।

यह हो सकते हैं बीमारी के कारण

पैंक्रियाटाइटिस गंदगी के कारण होता है। सड़क के किनारे खड़े ठेलों और रेहड़ी पर बनने वाले फूड्स जिनमें मक्खियां भिनभिनाती हैं और धूल-मिट्टी भर जाती हैं, उन्हें खाने से पैंक्रियाटाइटिस का खतरा होता है। इसके अलावा पैंक्रियाटाइटिस का सबसे बड़ा कारण शराब का सेवन है। ज्यादा मात्रा में शराब पीना या लगातार शराब पीने से पैंक्रियाज प्रभावित होते हैं। इसके अलावा कुछ दवाइयों के रिएक्शन से, पित्त नलिका में बाधा आने से, किसी संक्रमण से या खून में कैल्शियम घुलने से ये रोग हो सकता है। सही समय पर इलाज न करने से इस रोग के कारण पैंक्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे करें बचाव

पैंक्रियाटाइटिस से बचाव के लिए एल्कोहलिक पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा एलर्जेंस यानि ऐसे पदार्थ जिनसे एलर्जी की संभावना होती है जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स, सोया प्रोडक्ट्स, केमिकल वाले फूड्स का सेवन बंद कर दें। कैफीन वाले पदार्थों का सेवन भी कम कर दें। इसके अलावा खाने में फल, सब्जियां, प्रोटीनयुक्त आहार, अनाज, ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल आदि का सेवन शुरू कर दें। रोजाना योग करें और तनाव से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 3941

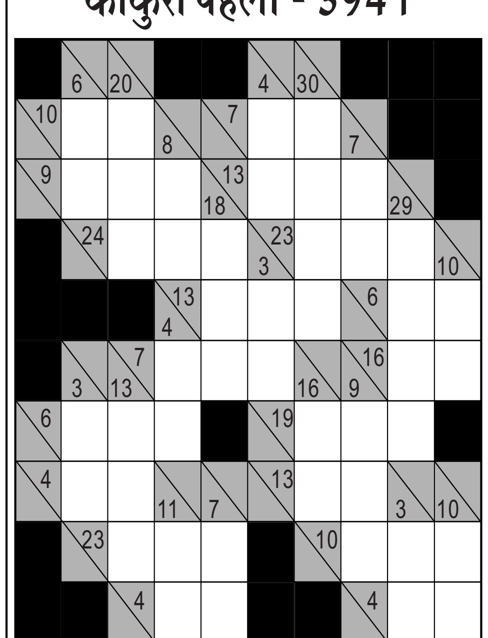

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

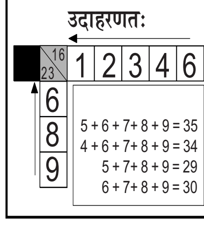

काकुरो - 3940 का हल

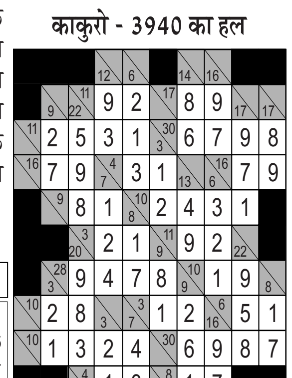

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज,''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

▯ ▯ ▯

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

▯ ▯ ▯

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 3941

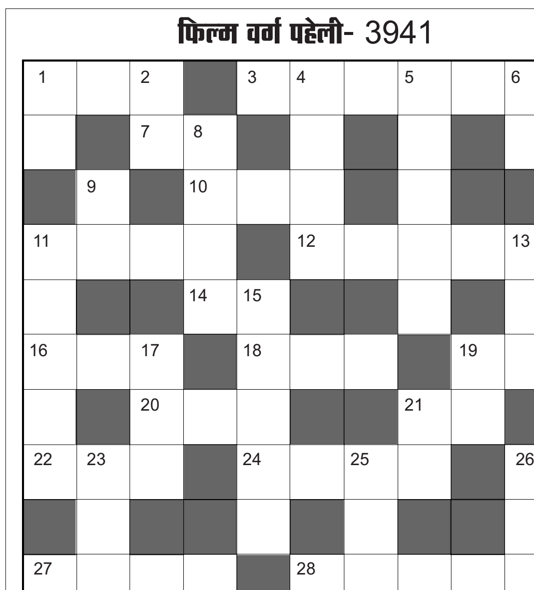

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3940

दे	व	■	प्रे	म	क	हा	नी	■	जी
व	■	तु	म	■	सू	■	तू	फा	न
ता	ल	■	पु	का	र	■	सिं	■	त
■	क्ष्य	■	जा	■	■	तो	ह	फा	■
नी	■	मे	री	जं	ग	■	■	गु	स
क	बी	ला	■	ग	■	प्या	■	न	■
री	■	■	सो	ल	वां	सा	ल	■	दा
■	जु	ग	नू	■	टे	■	व	ही	दा
ध	र्मा	■	■	■	ड	■	स्टो	■	गि
■	ना	जा	य	ज	■	चो	री	चो	री

सूडोकु -3941

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3940 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 3941

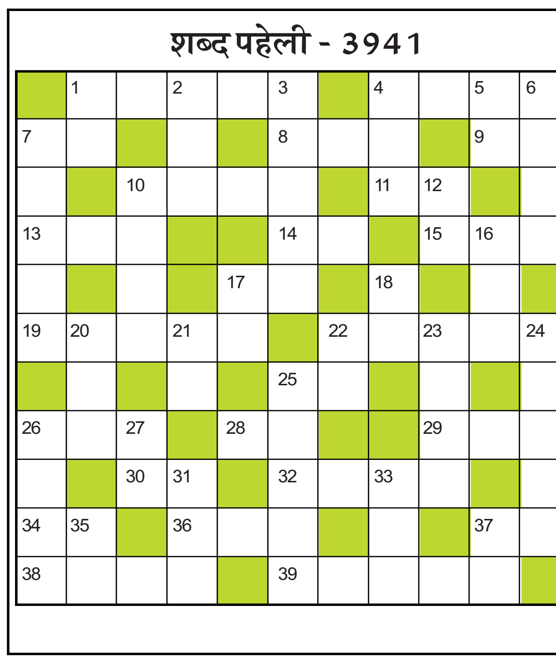

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -3940 का हल

■	व	र	दा	न	■	म	क	स	द	■
म	■	■	न	■	अ	■	ल	■	■	नि
न	■	व्य	व	हा	र	कु	श	ल	■	य
मा	न	व	■	■	दा	■	■	कि	म	त
नी	■	था	■	आ	स	न	■	र	न	■
■	र	■	हा	रा	■	ह	त्या	■	का	■
■	क	वि	■	म	क	र	■	क	■	रा
ह	म	ला	■	■	ल	■	■	म	वे	शी
वे	■	प	र	व	र	दि	गा	र	■	फ
ली	■	■	स	■	व	■	य	■	■	ल
■	र	ह	म	त	■	घ	ब	रा	ना	■

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्योर

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टेबल हूं

अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टेबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूं या यूं कहूं कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं।
अभिषेक ने उन इनसिक्योरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अक्सर एक्टर्स को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं क्लियर होता हूं कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना चाहता हूं। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्योर एक्टर नहीं रहा कि 'वह क्या कर रहा है'। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर, हां। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्योर होते हैं कि 'क्या मैं यह कर पाऊंगा?'
इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल जारी 'इक्का' में करेंगी सरप्राइज

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है।
हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर — डॉ. गर्गी — का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज़-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नजर आएंगी — जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।
'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया। अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं — इस बार कहानी ज़्यादा डार्क और लेयर्ड है।
वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं — जिनका खुलासा अभी बाकी है।

मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।
'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'
अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं।
सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।
अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। केवीएन प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया। प्रोडक्शन हाउस द्वारा शेयर किए गए पोस्टर पर लिखा था, '11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में। 60 ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन लेकर आ रहे हैं 'हैवान'।' 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। फिल्म में श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी।
केवीएन प्रोडक्शन और थेस्पियन फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म 'हैवान' को वेंकट के. नारायण और शैलजा देसाई फेन ने प्रोड्यूस किया है। इस बीच, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के लिए फिर से साथ काम किया है। इस फिल्म में परेश रावल, जिशु सेनगुप्ता, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 2007 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया' के बाद प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी और मनोज जोशी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म 2026 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है।
अक्षय कुमार की हालिया फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, तुषार कपूर और सयाजी शिंदे जैसे नाम शामिल हैं।

अगली फिल्म के लिए कई लुक अपनाएंगे सलमान

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। फिल्म में सलमान खान एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का फैंस को काफी इंतजार है। एक पॉडकास्ट के दौरान फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बताया। हाल ही में दिल राजू एक पॉडकास्ट पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे वामसी पेडिपल्ली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म पर बहुत भरोसा है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा।' इसके अलावा दिल राजू ने बताय कि यह सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी एंटरटेनिंग फिल्म होगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और काफी कुछ होगा। पॉडकास्ट के दौरान दिल राजू ने यह भी बताया कि इस फिल्म में सलमान कई अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। वहीं फिल्म के शूटिंग शेड्यूल की जानकारी देते हुए निर्माता दिल राजू ने कहा, 'यह फिल्म अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। हमें इसके ब्लॉकबस्टर होने की पूरी उम्मीद है। सलमान भी इसकी शूटिंग के मजे ले रहे हैं। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और 'वाउ फैक्टर' होगा।

ईद पर रिलीज हो सकती है फिल्म

फिल्म श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर तले बन रही है। वहीं फिल्म का निर्देशन वामसी पेडिपल्ली ने किया है। कुछ दिनों पहले ही सलमान और नयनतारा को मेकर्स के साथ मुहूर्त सेरेमनी में देखा गया था। इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं।
फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहा उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोंगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स ऐंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आज़ादी के साथ बोल सकें।'
वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में मैच्योर नहीं था

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।